Notification No.: 555/2024

Date of Award: 19.02.2024

Name of Scholar: Kamran Wasey

Name of Supervisor: Prof. Kahkashan Ahsan Saad

Name of RCA Members: Prof. Indu Virendra and Dr. Asif Umar

Name of Department: Hindi

Topic of Research: Vartaman Patrakarita Main Hindi Bhasha Ke Vibhinn Roop (1990 Se Ab Tak)

**Findings**

1. पत्रकारिता का आधार समाचारों का सम्प्रेषण है।
2. सम्पूर्ण विश्व की घटनाओं और समाचारों को एकत्रित करना, उनका विवेचन और विश्लेषण करना तथा उन्हें विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं एवं अन्य संचार माध्यमों के द्वारा आम जनता तक पहुंचना पत्रकारिता का ही कार्य है।
3. आरंभ में पत्रकारिता के कार्य के अंतर्गत समाचार पत्र एवं पत्रिकायों के लेखन कार्य ही सम्मिलित थे। कालांतर में विज्ञान के विकास से रेडियो एवं टेलिविज़न अस्तित्व में आए। देखते-देखते आज रेडियो और टेलिविज़न समाचार प्राप्ति के त्वरित साधन बन गए हैं।
4. वर्तमान परिवेश में इंटरनेट के आविष्कार ने वेब पत्रकारिता को जन्म दिया।
5. इस प्रकार प्राचीन काल में संदेश प्राप्ति एक श्रमसाध्य था, किन्तु सतत विकास के क्रम में आज प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और नव-इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (वेब पत्रकारिता) संदेश और समाचार जानने के आसान संसाधन बन गए हैं।
6. विगत वर्षों में हिन्दी भाषा के पत्र-पत्रिकायों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जिसका मतलब है कि हिन्दी पाठकों की संख्या बढ़ी है। पत्रों की संख्या बढ़ने से हिन्दी को केवल लाभ ही नहीं पहुंचा है बल्कि भाषाई स्तर पर नुकसान होने की भी संभावना बनी हुई है।
7. वेब पत्रकारिता के उभार ने पत्रकारों के सामने शीघ्र से शीघ्र समाचार के प्रकाशन का दबाव बनाया। ऐसे में रिपोर्टर के पास जल्दबाज़ी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहता है। सबसे पहले ख़बर को पहुचानें की जल्दी में हमें कई प्रकार की भाषाई अशुद्धता देखने को मिलती हैं, जैसे वर्तनी की अशुद्धि, खराब वाक्य-विन्यास, व्याकरणिक अशुद्धि, शालीनता की कमी आदि।
8. डिजिटल मीडिया ने एक नया विकल्प पेश किया है जो समाचारों को लोगों तक पहुचानें का एक नया तरीका है।